कार्लमार्क्स

Dr Vini Sharma

KARL MARX

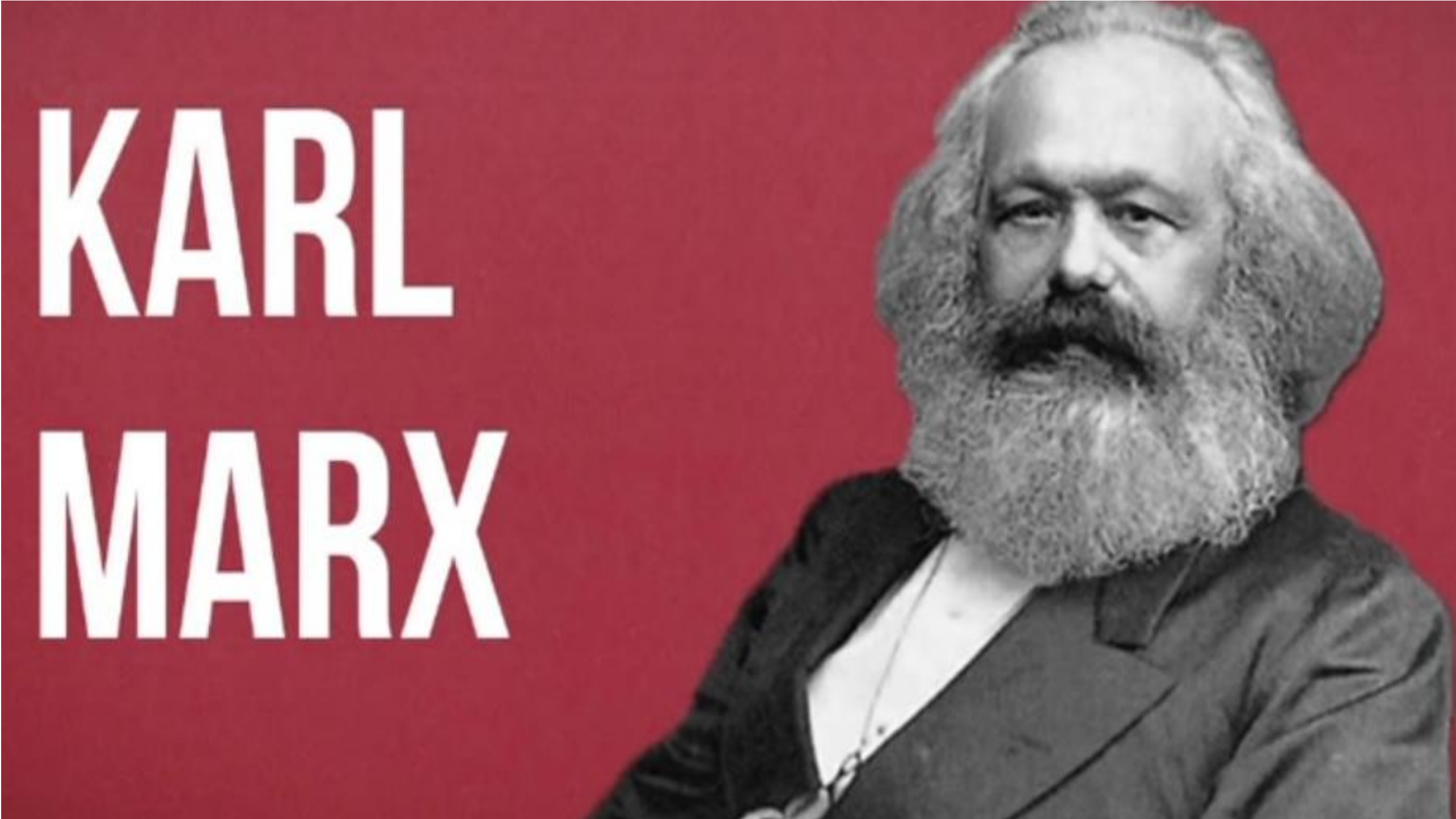

मार्क्सवाद

- विचारधारा
- योगदान
- सीमाएँ
- प्रांसगिकता

- वर्ग संघर्ष
- द्वंद्वात्मक भौतिकवाद
- ऐतिहासिक भौतिकवाद
- अतिरिक्त मूल्य का सिद्धांत

KARL MARX

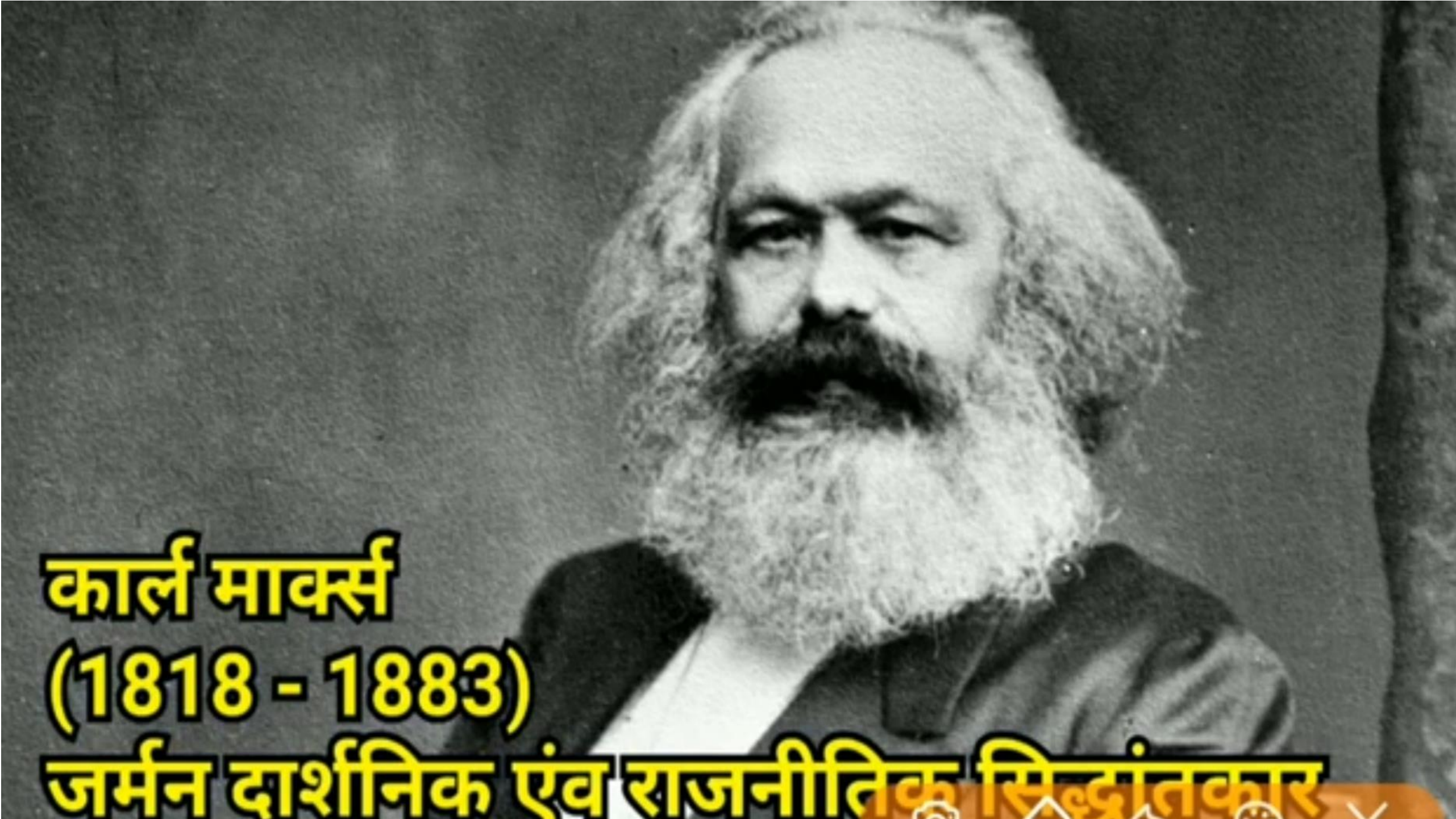
कार्ल मार्क्स
(1818 - 1883)
जर्मन दार्शनिक एंव राजनीतिक सिद्धांतकार

मार्क्सवाद

Arambh Classes

- कार्ल मार्क्स और एंगेल्स को मार्क्सवाद विचारधारा का व्याख्याता कहा गया है क्योंकि मार्क्सवाद इन्हीं दो विद्वानों की रचनाओं पर आधारित विचारधारा है
- कार्लमार्क्स की साम्यवादी विचारधारा ही मार्क्सवादी विचारधारा कहलायी
- सामाजिक राजनीतिक दर्शन में **मार्क्सवाद** (Marxism) उत्पादन के साधनों पर सामाजिक स्वामित्व द्वारा वर्गविहीन समाज की स्थापना के संकल्प की साम्यवादी विचारधारा है

उदारवाद

- राज्य सभी लोगों के हितों की रक्षा का साधन
- राज्य समाज में जो विवाद है झगड़े हैं उनको समझाने में और लोगों के बीच सामंजस्य स्थापित करने का प्रयास करता है
- संवैधानिक और शांतिपूर्ण उपायों के द्‌वारा ही समाज में परिवर्तन लाया जा सकता है

Arambh Classes
SUBSCRIBE NOW

मार्क्सवाद

- राज्य वर्गीय संरचना का कारण है और राजनीति को संघर्ष के रूप में देखा है
- समाज में दो वर्ग हैं.... एक है पूंजीपति वर्ग जिनके पास साधनों का स्वामित्व है और दूसरा मजदूर वर्ग यानि सर्वहारा वर्ग
- राजनीति के माध्यम से यह पूंजीपति वर्ग राज्य द्वारा केवल अपने हितों को साधने की कोशिश करता है

राजनीति का मार्क्सवादी दृष्टिकोण

Arambh Classes

- एंगेल्स "राज्य उस यंत्र अथवा मशीन का नाम है जिसके द्वारा एक वर्ग दूसरे वर्ग का दमन करता है"
- मजदूर वर्ग का कल्याण तब तक संभव नहीं है जब तक कि वह सशस्त्र क्रांति के द्वारा राज्य सत्ता पर कब्जा नहीं कर लेता

- एंगेल्स "राज्य उस यंत्र अथवा मशीन का नाम है जिसके द्वारा एक वर्ग दूसरे वर्ग का दमन करता है"

- मजदूर वर्ग का कल्याण तब तक संभव नहीं है जब तक कि वह सशस्त्र क्रांति के द्वारा राज्य सत्ता पर कब्जा नहीं कर लेता
- मार्क्सवादी राज्य सत्ता को हथियाने के लिए सशस्त्र क्रांति का हिमायती करते हैं

वर्ग संघर्ष

मार्क्सवादी सिद्धांत के प्रमुख लक्षण

मजदूरों की तानाशाही

वर्ग विहीन समाज

क्रांति का सिद्धांत

Aram bh Classes

1. वर्ग संघर्ष

Arambh Classes

- ✓ समाज में केवल 2 वर्ग हैं : एक पूंजीपति वर्ग जिसे मार्क्सवादी बुर्जुआवर्ग कहते हैं, दूसरा मजदूर वर्ग "सर्वहारा वर्ग"
- ✓ राज्य एक वर्ग द्वारा दूसरे वर्ग को दबाने का साधन है
- ✓ हर युग में राजनीतिक शक्ति उन लोगों के हाथों में रहे जिसका उत्पादन के साधनों पर अधिकार रहा है
- ✓ मार्क्सवादी लोग पूंजीवादी व्यवस्था को दमनकारी बताते हैं
- ✓ पूँजीवादी देशों में जो लोकतंत्र पाया जाता है वह केवल दिखावटी है

2. क्रांति का सिद्धांत

Arambh Classes

- ✓ मार्क्सवादी मानते हैं कि सशस्त्र क्रांति के बिना वर्तमान व्यवस्था में परिवर्तन नहीं लाया जा सकता
- ✓ मार्क्स वादियों के अनुसार श्रमिकों को यह मानकर चलना चाहिए कि वर्तमान पूंजीवाद को समाप्त किए बिना, श्रमिक वर्ग का कल्याण संभव नहीं है

उदारवाद
मार्क्सवाद
समाजवाद

2. क्रांति का सिद्धांत

Arambh Classes

- ✓ मार्क्सवादी मानते हैं कि सशस्त्र क्रांति के बिना वर्तमान व्यवस्था में परिवर्तन नहीं लाया जा सकता
- ✓ श्रमिकों को यह मानकर चलना चाहिए कि वर्तमान पूंजीवाद को समाप्त किए बिना, श्रमिक वर्ग का कल्याण संभव नहीं है
- ✓ लोकतांत्रिक सरकारें केवल लोगों को बहकाने के लिए हैं इसलिए श्रमिकों को चाहिए कि वे क्रांति के द्वारा राज्य सत्ता को हथियायें ताकि नौकरशाही, सेना, पुलिस के ऊपर उनका अधिपत्य स्थापित हो सके
- ✓ "क्रांति वह दाई है जो नए समाज रूपी शिशु को जन्म देने में मदद देती है" कार्ल मार्क्स

3. मजदूरों की तानाशाही

Arambh Classes

- पूंजीवाद आसानी से हार स्वीकार नहीं करेगा इसलिए सरकार हर संभव उपाय द्वारा प्रतिक्रियावादी तत्वों का दमन करेगी
- लेनिन के शब्दों में सेना, अर्थव्यवस्था, शिक्षा संस्थाओं और प्रशासन इन सभी के द्वारा प्रतिक्रियावादी शक्तियों के विरुद्ध लड़ाई छोड़नी पड़ेगी
- जहां तक सेना पुलिस का प्रश्न है उसमें केवल वही व्यक्ति ही रखे जाएंगे जिनकी मार्क्सवादी व्यवस्था में पूर्ण निष्ठा होगी

3. मजदूरों की तानाशाही

Arambh Classes

- समाजवादी राज्य में भी हिंसा और दमन की आवश्यकता रहेगी परंतु अब उसका स्वरूप बदल जाएगा
- आर्थिक क्षेत्र में सरकार का प्रथम कार्य होगा कि बिजली, रेल, बैंक और बड़े-बड़े कल कारखानों को वह अपने हाथ में ले ले बड़े-बड़े कृषि फार्म ओं का भी राष्ट्रीयकरण कर दिया जाएगा
- आर्थिक आयोजन के द्वारा उत्पादन में वृद्धि की जाएगी
- प्रत्येक व्यक्ति को उसकी योग्यता के अनुसार श्रम मिलेगा
- शिक्षण संस्थाओं संस्कृत समुदायों पर राज्य का बड़ा नियंत्रण होगा शिक्षा का उद्देश्य समाजवादी विचारधारा को फैलाना होगा

3. मजदूरों की तानाशाही

Arambh Classes

- दूसरे किसी विचार की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नहीं दी जा सकती है जो साम्यवादी दल की नीति से मिलना न खाती हो
- पूँजीवादी देशों की प्रतिनिधि संस्थाओं में मार्क्सवादी की बिल्कुल भी निष्ठा नहीं है
- मजदूरों की तानाशाही की राजनीतिक प्रक्रिया अस्थाई है और यह बहुमत का अर्थ के वर्गीय हितों के विरुद्ध तानाशाही है समस्त समाज के विरुद्ध तानाशाही नहीं जिसका अंतिम उद्देश्य है कि ऐसे वर्ग समाज की स्थापना जहां मानव का मानव द्वारा शोषण ना हो सके

4. वर्ग विहीन समाज

Arambh Classes

- वर्ग विहीन समाज में राजनीति का वर्गीय स्वरूप समाप्त हो जाएगा
- मार्क्स और एंगेल्स के अनुसार मजदूरों की तानाशाही केवल संक्रमण कालीन व्यवस्था है
- एंगेल्स ने इस प्रक्रिया को स्पष्ट करने के लिए द स्टेट सेल विदर अवे वाक्यांश का प्रयोग किया है
- नया आदर्श समाज न केवल वर्ग विहीन समाज होगा बल्कि राज्य विहीन भी होगा यह साम्यवाद की स्थिति होगी
- एंजेल्स ने इसे संपूर्ण लोकतंत्र की स्थिति माना है मार्क्सवादी इसे स्वर्णिम काल की संज्ञा देते हैं

मार्क्सवादी सिद्धांत

Arambh Classes

शुरू शुरू में लेनिन की भी यही धारणा थी कि एक ऐसा युग अवश्य आएगा जिसमें राज्य संस्था की आवश्यकता नहीं रहेगी परंतु बाद में उनका यह सुनिश्चित अभी मत था कि जब तक साम्यवादी व्यवस्था पूर्णता खतरे में से रहित नहीं रे बन जाती तब तक राज्य संस्था अवश्य विद्यमान रहेगी

स्टालिन ने इस संबंध में कहा है कि मार्क्सवादी व्यवस्था में राज्य का स्वरूप बदल जाता है वह शोषण का यंत्र न रहकर सार्वजनिक कल्याण का साधन बन जाता है